

अन्य दलित वर्गों की अनिवार्य जरूरतों पर विशेष ध्यान देते हुए, समाज की भलाई के लिए किया जाए। हमारी सरकार इस दर्शन को निष्ठापूर्वक अपनाएगी। सरकार, हमारी राजनीति की धर्मनिरपेक्ष और बहुलवादी नींव को सुदृढ़ करने और सामाजिक एवं आर्थिक विकास की प्रक्रिया में तेजी लाने पर आम सहमति बनाने के लिए ईमानदारी से कार्य करेगी। हमारी जनता में सृजनात्मक शक्ति का अपार भंडार है। उन्हें शासन पद्धति में सुधार की उत्सुकता से प्रतीक्षा है जिससे कि राष्ट्र निर्माण के कार्य में इस ऊर्जा का पूर्ण उपयोग किया जा सके। इक्कीसवीं सदी को भारत की सदी बनाने का दायित्व हम सब पर है। यह अवश्यंभावी है कि भारत उदीयमान विश्व अर्थव्यवस्था की एक प्रमुख शक्ति बनकर उभरेगा और इस प्रक्रिया में हमारे समाज के बड़े भाग को अभी भी प्रभावित करने वाली अत्यधिक गरीबी, अज्ञानता और बीमारी से छुटकारा मिल सकेगा। जनता के प्रतिनिधियों के रूप में आपका यह दायित्व है कि हमारी जनता के इस उमड़ते आवेग को सही दिशा दें जिससे कि अभाव और शोषण के मय से मुक्त एक नए भारत का निर्माण हो सके। यह मेरी हार्दिक आशा और इच्छा है कि देश हित में आपके विचार-विमर्श में परिपक्वता और बुद्धिमत्ता की अभिव्यक्ति होगी और ये देशभक्तिपूर्ण और निःस्वार्थ भावना से प्रेरित होंगे।

मैं आपके प्रयासों की सफलता की कामना करता हूँ।

जय हिन्द

(Placed in Library. See No. L.T.02/04)

PAPERS LAID ON THE TABLE

Statement showing the Bills passed by the Houses of Parliament and assented to by the President

SECRETARY-GENERAL: Sir, I beg to lay on the Table a Statement (in English and Hindi) showing the Bills passed by the Houses of Parliament during the Two-hundredth Session of the Rajya Sabha and assented to by the President. [Placed in Library. See No. L.T.03/04]

REPORTS OF THE COMMITTEE ON PETITIONS

श्री जनेश्वर मिश्र (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं याचिका समिति के निम्नलिखित प्रतिवेदन (अंग्रेजी तथा हिंदी में) प्रस्तुत करता हूँ :

- (i) Hundred and Nineteenth Report on the petitions signed by Shri H.D. Shourie, Director, Common Cause, New Delhi and 273 others praying for early passage of the Delhi Rent (Amendment) Bill, 1997 in Rajya Sabha;